प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

किसान मेले में रबी फसलों के बीजों की बिक्री नये रिकार्ड की ओर

पंतनगर। ०६ अक्टूबर, २०१८। विश्वविद्यालय में चल रहे अखिल भारतीय किसान मेला एवं उद्योग प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों के स्टालों से रबी की विभिन्न फसलों के बीजों की भारी मात्रा में बिक्री हो रही है। मेले के दूसरे दिन आज दोपहर तक प्रजनक बीज उत्पादन केन्द्र, फसल अनुसंधान केन्द्र तथा विश्वविद्यालय फार्म द्वारा लगभग ४५ लाख रूपये के विभिन्न रबी फसलों के बीजों की बिक्री की गयी। इसके अतिरिक्त उद्यान विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, सब्जी अनुसंधान केन्द्र, कृषि वानिकी अनुसंधान केन्द्र, औषधीय एवं संगंध पौध अनुसंधान केन्द्र तथा पुष्प उत्पादन केन्द्र के स्टालों से लगभग ३ लाख रूपये के बीज व पौधों की बिक्री की गई। साथ ही प्रकाशन निदेशालय तथा एटिक के स्टाल से लगभग ५५ हजार रूपये के प्रकाशनों व बीज की बिक्री की गई। इनके अतिरिक्त मेले में लगे निजी क्षेत्र के विभिन्न स्टालों द्वारा भी विभिन्न प्रकार के बीजों की बिक्री की गयी।

मेले के दौरान शैक्षणिक पशुधन प्रक्षेत्र पर आज संकर बछियों की नीलामी में किसानों ने भाग लिया। विशेष व्याख्यान माला के अंतर्गत प्राध्यापक, डा. सुनीता तिवारी पांडे, द्वारा 'शून्य लागत प्राकृतिक खेती' विषय पर गांधी हाल में विशेष व्याख्यान दिया गया। तत्पश्चात् गांधी हाल में किसान गोष्ठी में प्रत्येक विषय के वैज्ञानिकों ने प्रतिभागिता कर पशुपालन, पुष्प उत्पादन, कीट व्याधि, विभिन्न धान्य एवं अन्य फसलों, फलों, सब्जियों, इत्यादि पर किसानों की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया। मेले में आये किसानों को आज विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों, यथा आदर्श पुष्प उत्पादन केन्द्र, प्रजनक बीज उत्पादन केन्द्र, सब्जी अनुसंधान केन्द्र, औषधीय एवं संगध पौध अनुसंधान एवं विकास केन्द्र, उद्यान अनुसंधान केन्द्र तथा कृषि वानिकी अनुसंधान केन्द्र का भ्रमण कराया गया, जबकि कल आये किसानों को मशरूम अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र, नारमन ई. बोरलॉग फसल अनुसंधान केन्द्र, प्रयोगात्मक फसलोत्पादन, मधुमक्खी पालन केन्द्र, शैक्षणिक मत्स्य प्रक्षेत्र, शैक्षणिक डेरी फार्म, शैक्षणिक कुक्कुट फार्म, बीज विधायन संयंत्र तथा एलपीएम केन्द्र का भ्रमण कराया गया, जहां पर किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न जानकारी दी गई।

विश्वविद्यालय के बीजों की भारी मात्रा में खरीदारी करते किसान।